# बढ़ता वैश्विक तापमान

## कारण - प्रभाव - उपाय


विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते
NMSHE NATIONAL MISSION FOR SUSTAINING HIMALAYAN ECOSYSTEM
हिमाचल प्रदेश सरकार


**बढ़ते वैश्विक तापमान** का अर्थ वातावरण में औसत तापमान में वृद्धि होना है।

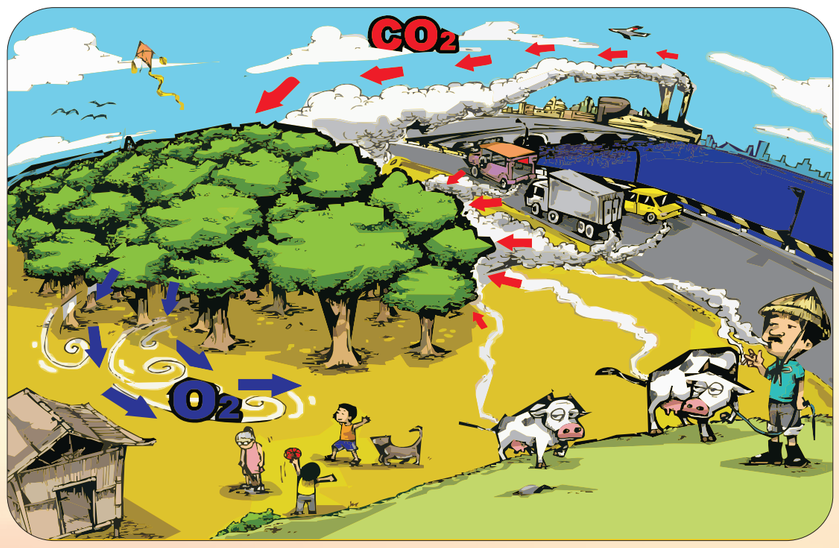


कार्बन डाईआक्साईड, मीथेन, नाईट्रस आक्साईड, सल्फर हैक्साफ्लोराईड, क्लोरोफ्लोराकार्बन जैसी गैसें जलवाष्प के साथ मिलकर वातावरण में एकत्रित हो कर धरती के तापमान में बढ़ौतरी करती हैं। इस प्रभाव को 'ग्रीन हाउस प्रभाव' कहा जाता है।

## बढ़ते वैश्विक तापमान के प्रभाव

धरती के बढ़ते तापमान से हिमनद तेजी से पिघल कर कम हो रहे हैं जिससे हमारे जल स्रोतों पर प्रतिकूल प्रभाव पर पड़ रहा है।

वैश्विक तामपान में बढ़ोतरी जंगल में आग लगने का प्रमुख कारण है जिससे न केवल वातावरण में कार्बन डाइआक्साईड गैस में बढ़ौतरी होती है साथ ही हमारे वन क्षेत्रों में भी कमी आती है।

वैश्विक तामपान में बढ़ोतरी से डेंगू बुखार एवं मलेरिया जैसे संक्रामक रोगों के बढ़ने की संभावना और अधिक हो जाती है।

अनेक अध्ययनों से पता चला है कि वैश्विक तापमान में बढ़ौतरी से बार बार सूखे की स्थिति पैदा हो रही है और भविष्य में इनके और तीव्र होने की संभावना जताई जा रही रही है।

**प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग बुद्धिमानी से करें**

हम पीढ़ियों से संसाधनों का बुद्धिमानी से उपयोग कर रहे हैं! उर्जा को व्यर्थ न गवाएं, ईंधन बचाएं, जल एवं कागज् बचाएं।

**उर्जा का उपयोग आवश्यकतानुसार करें, उज्ज्वल भविष्य के लिए उर्जा की बचत करें।**

एल.ई.डी. का उपयोग करें, खाना बनाने के लिए प्रैशर कुकर का उपयोग करें, सौर उर्जा आधारित उपकरणों का उपयोग करें, अपने वाहन की नियमित जांच करवाएं।

**प्लास्टिक थैलों का उपयोग न करें। हमेशा अपने साथ कपड़े का थैला रखें।**

प्लास्टिक थैले आसानी से समाप्त नहीं होते, वे नदी–नालों में अवरोध पैदा करते हैं, ये जानवरों के लिए भी खतरा पैदा करते हैं और जलाने पर वातावरण में जहरीली गैसों का उत्सर्जन करते हैं।

**जल संरक्षण करें। पानी की हर एक बूंद बहुमुल्य है।**

पानी को कभी व्यर्थ न गवाएं, जहां तक संभव हो इसका पुनःउपयोग सुनिश्चित करें, जहरीले पदार्थों को जल स्रोतों में विसर्जित न करें, पानी का संग्रहण करें।

**संसाधनों के पुनःचक्रण, पुनःउपयोग एवं कम उपयोग करने जैसी अवधारणाएं हमारे लिए नई नहीं हैं।**

उपलब्ध संसाधनों को फैंकने व समाप्त करनें की अपेक्षा पुनःभरण, पुनः चक्रण जैसी अवधारणाओं को अपनाएं।

## बढ़ते वैश्विक तापमान का सामना कैसे करें?

कम से कम प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों का उपयोग करें। यातायात के लिए पैदल, साईकल, विद्युत वाहन जैसे विकल्पों को अपनाएं।

कमरे से बाहर जाने से पहले लाईट बंद कर दें, ऐयर कंडिशनर एवं हीटरों की नियमित जांच करवाते रहें, सौर उर्जा चलित एल.ई.डी. का ही उपयोग सुनिश्चित करें।

नवीकरणीय उर्जा के स्रोतों का चुनाव एवं उपयोग करें।

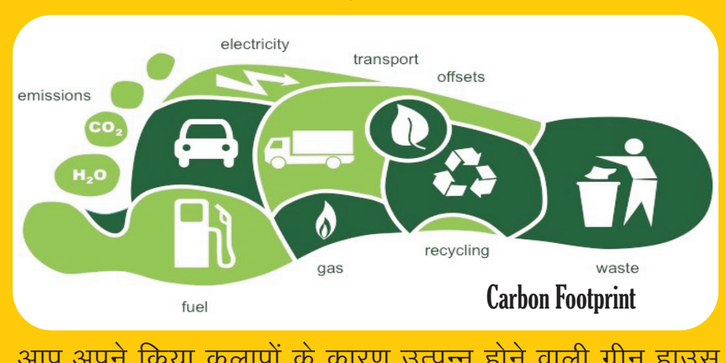


आप अपने किया कलापों के कारण उत्पन्न होने वाली ग्रीन हाउस गैसों की गणना कर यह जानने का प्रयास करें कि आपके द्वारा किए कायों से कितनी कार्बनडइआक्साई वातावरण में उत्सर्जित हुई। अपने कार्बन पदचिन्ह कम करें।

कार्बनडाईआक्साई गैस को अवशोषित करने के अतिरिक्त पेड़–पौधे हमें गर्मियों के मौसम में ढंडक एवं छाया उपलब्ध करवाते है जो उर्जा की खपत कम करने में सहायक हैं। अधिक से अधिक पौधरोपण करें।


**पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग**
**हिमाचल प्रदेश सरकार**
पर्यावरण भवन, शिमला, हिमाचल प्रदेश–171001 (भारत)
दूरभाष +91-177-2656559, 2659608 Fax: +91-177-2659609
वैब साईट: http://www.desthp.nic.in, E-mail: dbt-hp@nic.in